उपलब्धि - अक्कमहादेवी महिला विवि कर्नाटक ने हिंदी... पृष्ठ 2
विश्व पर्यावरण दिवस में जन जागृति... पृष्ठ 3

नांदगांव टाइम्स

।। जय श्री जलाराम ।।
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, फ्लैट, डुप्लेक्स, दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लाट की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
नोट :- मकान, फ्लैट, दुकान, गोदाम किराये पर लेने एवं देने की विशेष व्यवस्था साथ ही जमीन प्लाट हेतु डायवर्सन के दस्तावेज व ऋण पुस्तिका बनवाने के कार्य की सुविधा।
ऑफिस- बागड़ी ब्रदर्स के बाजू में, रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

बुधवार, 05 जून 2024, राजनांदगांव | आरएनआई 30910/76 | वर्ष 48, अंक 233, पृष्ठ 04, मूल्य 2 रुपए

राजग की लगातार तीसरी बार जीत ऐतिहासिक : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिये देश की जनता के प्रति आभार जताया। श्री मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये नयी ताकत से काम करेगा। प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, च्च् देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिये अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये हम नयी ऊर्जा, नयी उमंग, नये संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिये उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के जाता रूझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 292 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि विपक्षी च्इंडिया समूहज् के प्रत्याशी 233 सीटों पर आगे चल रहे हैं या विजयी हुये हैं। इन चुनावों में भाजपा अपने बल पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हुयी है, लेकिन 543 संसदीय सीटों में से उसे 240 सीटें मिलती हुयी दिखाई दे रही है।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद पीएम मोदी का रिएक्शन

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम सामने आ चुके हैं। नतीजों में एनडीए ने 290 से ज्यादा सीटों पर बढ़त हासिल की है। वहीं, इंडिया गठबंधन 220 से अधिक सीटों पर आगे है। उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत की हैट्रिक लगाई है। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार अजय राय को डेढ़ लाख से अधिक वोटों से शिकस्त दी। लोकसभा चुनाव में नतीजों के बाद पीएम मोदी का पहला रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने एनडीए पर लगातार तीसरी बार विश्वास जताने के लिए देश की जनता का आभार व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिवारजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। इसके अलावा पीएम मोदी ने ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा और आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन की शानदार जीत पर भी प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, धन्यवाद ओडिशा! यह सुशासन और ओडिशा की अनूठी संस्कृति का जश्न मनाने की एक शानदार जीत है। भाजपा लोगों के सपनों को पूरा करने और ओडिशा को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुझे हमारे सभी मेहनती पार्टी कार्यकर्ताओं पर उनके प्रयासों के लिए बहुत गर्व है। आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन की शानदार जीत पर पीएम मोदी ने लिखा, आंध्र प्रदेश ने एनडीए को असाधारण जनादेश दिया है। मैं राज्य की जनता को उनके आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं चंद्रबाबू नायडू, पवन कल्याण और आंध्र प्रदेश भाजपा को इस जोरदार जीत के लिए बधाई देता हूं। पीएम मोदी तीसरी बार वाराणसी सीट से चुनावी मैदान में उतरे। पीएम नरेंद्र मोदी को 6,12,970 वोट मिले हैं। वहीं, कांग्रेस के अजय राय को 4,60,457 और बसपा के अतहर जमाल लारी को 33,766 वोट प्राप्त हुए हैं। पीएम मोदी ने वाराणसी सीट पर 1 लाख 52 हजार 513 वोट से चुनाव में विजयी हुए है। साल 2019 में पीएम मोदी ने समाजवादी पार्टी

मोदी-शाह से मुक्ति पाने का जनता ने दिया स्पष्ट संदेश : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफकर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। श्री गांधी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह लड़ाई संविधान को बचाने की थी। यह बात वह तब ही समझ गए थे, जब सरकार ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट सील किए, मुख्यमंत्री को जेल में डाला तब मेरे दिमाग में यह बात स्पष्ट हो गयी थी कि अब हिंदुस्तान की जनता संविधान की रक्षा के लिए मिलकर लड़ेगी और मेरा यह पुख्ता भरोसा आज सही साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और जहां भी गठबंधन लड़ा ,वहां सबने मिलकर चुनाव लड़ा और देश को एक नया विजन दिया है। श्री गांधी ने कहा, यह चुनाव परिणाम इंडिया गठबंधन का आया है और इसमें संविधान को बचाने का हमारा अभियान सफल रहा। देश ने इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साफ कह दिया है कि देश अब उन्हें नहीं चाहता है। कांग्रेस नेता ने कहा, देश को बचाने का काम हिंदुस्तान के गरीब लोगों ने किया है, आदिवासियों ने किया, मजदूरों ने किया है। उन्हें समझ में आ गया था कि संविधान देश की आवाज है। हिंदुस्तान के सबसे गरीब लोगों ने देश के संविधान को बचाया है और हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। हम उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इंडिया समूह के नेताओं की कल बैठक बुलाई गई है और उसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

बीजेपी ने बुधवार को एनडीए की बैठक बुलाई, सरकार गठन पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर तस्वीर लगभग साफ होने के साथ ही भाजपा ने केंद्र में सरकार गठन के लिए विचार-विमर्श

की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने बुधवार को एनडीए के अपने सहयोगी दलों की बैठक दिल्ली में बुलाई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने स्वयं सभी सहयोगी दलों के नेताओं को फोन कर एनडीए की बैठक के लिए आमंत्रित किया है। बैठक में भाजपा सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के नतीजों पर विस्तार से चर्चा करेगी और साथ ही सरकार गठन को लेकर भी विचार-विमर्श करेगी। इस बीच, चुनाव नतीजों को लेकर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। नड्डा के आवास पर हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। बताया जा रहा है कि इन तीनों नेताओं ने लोकसभा चुनाव के नतीजों पर विस्तृत चर्चा की। जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह ने इस उच्चस्तरीय बैठक में भविष्य की रणनीति, सरकार गठन और सहयोगी दलों को साथ बनाए रखने पर भी चर्चा की है। राजनाथ सिंह के नड्डा के आवास से रवाना हो जाने के बाद अमित शाह और जेपी नड्डा के बीच अलग से भी थोड़ी देर बातचीत हुई। इस बीच भाजपा मुख्यालय में भी जश्न का दौर शुरू हो गया है। जैसे-जैसे मतगणना अपने अंतिम दौर में पहुंचती जा रही है, वैसे-वैसे भाजपा कार्यकर्ताओं का पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में पहुंचना भी शुरू हो गया है। पार्टी मुख्यालय पहुंचे कार्यकर्ता हनुमान चालीसा का जाप करते नजर आए। हनुमान चालीसा के जाप के साथ ही पार्टी कार्यकर्ता लगातार पूरे जोश के साथ जय श्रीराम के नारे लगाते भी दिखाई दिए।

छत्तीसगढ़ की 10 सीटों पर भाजपा का कब्जा सिर्फ एक सीट पर कांग्रेस की जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में से 10 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है. कांग्रेस के खाते में सिर्फ एक सीट आई है. इस बार के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर लोकसभा से बड़ी जीत दर्ज की है. उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय को 575285 वोटों से मात दी है. दुर्ग से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने 438226 वोटों से बड़ी जीत दर्ज की है. कांग्रेस ने कोरबा लोकसभा सीट पर ही जीत हासिल की है. यहां ज्योत्सना महंत ने सरोज पांडेय को 40 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है.

कहां कितने वोट से जीते प्रत्याशी

रायपुर लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
बृजमोहन अग्रवाल 575285 वोटों से जीते

दुर्ग लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
विजय बघेल 438226 वोटों से जीते

सरगुजा लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
चिंतामणी महाराज 64822 वोटों से जीते

राजनांदगांव लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
संतोष पांडेय 44 हजार वोटों से जीते

बिलासपुर लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी तोखन साहू एक लाख से ज्यादा वोटों से जीते

जांजगीर चांपा लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
कमलेश जांगड़े 60000 वोटों से जीतीं

बस्तर लोकसभा -भाजपा प्रत्याशी
महेश कश्यप 55245 वोटों से जीते

कांकेर लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
भोजराज नाग 1974 वोटों से जीते

महासमुंद लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
रूपकुमारी चौधरी 1,45,456 वोटों से जीतीं

रायगढ़ लोकसभा - भाजपा प्रत्याशी
राधेश्याम राठिया 2,40,391 वोट से जीते

कोरबा लोकसभा - कांग्रेस प्रत्याशी
ज्योत्सना महंत 40 हजार से ज्यादा वोट से जीते

पूर्व मुख्यमूंत्री भूपेश बघेल को शिकस्त देकर संतोष पांडे चुनाव जीते

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। लोकसभा चुनाव 2024, का चुनाव राजनंदगाव लोकसभा क्षेत्र के लिहाज से सबसे रोचक रहा चार जिलों के मतदाताओ ने चुनावो मे अपने मतदान का प्रयोग किया छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस से और वर्तमान सांसद संतोष पांडे भाजपा के उम्मीदवार थे। संतोष पांडे के सामने चुनौती बड़ी थी और दूसरे बार चुनाव मे एंटीइनकंबेंसी का भी खतरा था। कोई दूसरी ओर कांग्रेस के चार विधानसभा में विधायक मोदी के चेहरे पर लड़ा गया भाजपा का लोकसभा चुनाव संतोष पांडे को पुनः जीत दिलाने मे कारगर साबित हुआ। लाखों वोटो से जीतने का दावा करने वाले दोनों ही नेता अपने भितरघाती संभावनाओं को टटोलते हुए मैदान मे डटे रहे पर अंततः भूपेश बघेल को कहीं ना कहीं स्थानिक कार्यकर्ताओं की बाहरी प्रत्याशी को लेकर नाराजगी के लगातार बने रहने की वजह से नुकसान हुआ राजनांदगांव विधानसभा में सबसे करारी हार भूपेश के खाते देखी गई। संतोष पांडे के कैंपेनिंग में केंद्रीय नेताओं और कैडर बेस्ड कार्यकर्ताओ ने अपने रणनीति के सफल संचालन मे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोबारा लोकसभा जितना ही सबसे बड़ी बात उसे प्रत्याशी के लिए होती है क्योंकि एक बार अगर जनता प्रतिनिधि प्रतिनिधित्व करता है तो कहीं ना कहीं लोगों की आशाएं और कई जगह निराशा अपने अस्तित्व को लेकर निर्णयों पर असर डालती है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हराना निश्चित रूप से राजनीतिक लोगों को और बुद्धिजीवों डॉ रमन सिंह का चुनाव याद आ जाता है जिन्होंने बेहद ही लो प्रोफाइल मे रह कर पूर्व मुख्यमंत्री रहे मोतीलाल वोरा को हराया था जिसके इनाम स्वरूप उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिला था केंद्र की सरकार में शायद संतोष पांडे की हाल फिलहाल परिस्थितियों में केंद्रीय प्रतिनिधित्व करेंगे ऐसा परिदृश्य शायद देखा जा सकता है।

संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव का निर्वाचन परिणाम

कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर संजय अग्रवाल ने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव की चुनाव परिणाम की अंतिम घोषणा की और भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी श्री संतोष पाण्डेय को विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव से कुल 15 अभ्यर्थी चुनाव लड़ रहे थे। जारी निर्वाचन परिणाम अनुसार बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी श्री देवलाल सिन्हा (सोनवंशी) को 9 हजार 668 मत, इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी भूपेश बघेल को 6 लाख 67 हजार 646 मत, भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी संतोष पाण्डेय को 7 लाख 12 हजार 57 मत, शक्ति सेना (भारत देश) के अभ्यर्थी श्री नारद प्रसाद निषाद को 8 हजार 30 मत, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के अभ्यर्थी रमेश राजपुत को 1 हजार 737 मत, न्याय धर्म सभा के अभ्यर्थी रामफल पाटिल को 1 हजार 537 मत, हमर राज पार्टी के अभ्यर्थी श्रीमती ललिता कंवर को 2 हजार 149 मत, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी के अभ्यर्थी लाखन सिंह टंडन को 1 हजार 56 मत तथा निर्दलीय अभ्यर्थी अजय पाली को 1 हजार 114 मत, त्रिवेणी पडोती को 1 हजार 613 मत, इंजि. बसंत कुमार मेश्राम को 1 हजार 820 मत, भुवन साहू को 4 हजार 174 मत, स्व : विशेष धमगाये को 4 हजार 873 मत, एएच सिद्दीकी को 10 हजार 737 मत, सुखदेव सिन्हा को 8 हजार 1 मत मिले।

nandgaon times june-05-02.qxd 6/4/2024 11:59 PM Page 2

उपलब्धि - अक्कमहादेवी महिला विवि कर्नाटक ने हिंदी पाठ्यक्रम में कविता व लेख को शामिल

विवि के विद्यार्थी पढ़ रहे हैं राजनांदगांव जिले के खैरझिटी (तिलई) निवासी जीतेन्द्र वर्मा खैरझिटिया के निबंध व कविता

राजनांदगांव (नादगांव टाइम्स)। संस्कारधानी राजनांदगांव की साहित्य में एक अलग पहचान है। यह पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, गजानन माधव मुक्तिबोध, बल्देव प्रसाद मिश्र, कुंजबिहारी चौबे, विनोद शुक्ल , शरद कोठारी, नंदू लाल चोटिया की कर्मभूमि रही है। इस संस्कारधानी जिले में वर्तमान में भी यहां के साहित्यकार साहित्य के क्षेत्र में बेहतर काम कर रहे है। अपनी साहित्य साधना से जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। इसी कड़ी में युवा साहित्यकार जितेन्द्र वर्मा खैरझिटिया ने जिले का नाम रोशन किया है।

ग्राम खैरझिटी (तिलई)निवासी, युवा साहित्यकार,छंदकार जीतेन्द्र वर्मा खैरझिटिया के 'सहभागिता' विषय से संबंधित निबंध और कविता को कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय विजयपुरा के पाठ्यपुस्तक में शामिल किया गया है। जिसे बीएससी, बीएचएससी, बीएफ्टी तथा बीसीए तृतीय सत्र स्नातक हिन्दी की छात्राएं अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ते हैं। कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय से 100 से भी अधिक महाविद्यालय सम्बद्ध है, वहाँ के भी विद्यार्थी भी जीतेन्द्र वर्मा खैरझिटिया के निबंध और कविता का अध्यनन करते हैं। कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी विवि कर्नाटक के साहित्य तरंग-3 हिंदी पाठ्यक्रम में भारत के अन्य राज्यों के साहित्यकारों के साथ छत्तीसगढ़ के 9 साहित्यकारों की कविता व लेख को शामिल किया है। कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है। इस वजह से विवि की ओर से हिंदी को अनिवार्य विषय में शामिल किया है। जिसमें स्वास्थ्य,पोषण,भोजन, सहकारिता और सहभागिता से संबंधित कविता और लेख आदि को शामिल करने हेतु रचनाएं आमन्त्रित किये थे। शिक्षा विभाग कर्नाटक शासन व विवि की सहमति के उपरांत, कुछ साहित्यकारों की रचनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। सहभागिता विषय पर खैरझिटिया के

लिखे 7 पृष्ठों की एक निबंध व एक कविता सुख दुख में सहभागी पाठ्यपुस्तक में शामिल है। इन पाठों से लगभग 15 अंको का एक से अधिक दीर्घ उत्तरीय व लघु उत्तरीय प्रश्न विद्यार्थीगण परीक्षा में हल करते हैं। जीतेन्द्र वर्मा खैरझिटिया, हिंदी और छत्तीसगढ़ी में लगातार साहित्य लेखन कार्य कर रहे हैं, साथ ही कला, गीत-संगीत, नाटक व फिल्म में भी रुचि रखते हैं। जीतेन्द्र के 'गँवागे मोर गाँव' व 'खेती अपन सेती' नामक दो पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है। 'छंद सरगम' और 'कुकरूस कू' नामक पुस्तक प्रकाशाधीन है। जीतेंद्र वर्तमान में बाल्को में कार्यरत है, जिनकी जन्म भूमि राजनांदगांव के समीप ग्राम खैरझिटी(तिलई)है। प्रारम्भिक शिक्षा अपने गांव में ही पूरा कर, माध्यामिक और स्नातक की शिक्षा राजनांदगांव के स्टेट स्कूल और दिग्विजय कालेज से प्राप्त किया। राजनांदगांव के साहित्य और संस्कृति के अनुरूप जीतेन्द्र कला, साहित्य,शिक्षा,संस्कृति,समाज और गीत संगीत के लिये सदैव सपर्पित होकर कार्य किया। विवि के पाठ्यक्रम में कविता और लेख सम्मिलित होने पर उनके परिवार जन , मित्रों व शुभचिंतको ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। छंद के छ परिवार,साकेत साहित्य परिषद सुरगी, शिवनाथ साहित्य धारा डोंगरगांव, छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति राजनांदगांव पुरवाही साहित्य समिति पाटेकोहरा, छुरिया सहित अन्य साहित्य समिति राजनांदगाँव के पदाधिकारीगण आत्मा राम कोशा अमात्य, वीरेन्द्र कुमार तिवारी, लखन लाल साहू लहर,महेन्द्र कुमार बघेल मधु,ओमप्रकाश साहू अंकुर, अखिलेश्वर प्रसाद मिश्रा,अरविंद कुमार लाल,रामकुमार चन्द्रवंशी, शेर सिंह गोड़िया, प्यारेलाल लाल देशमुख, संतू राम गंजीर,कैलाश साहू कुंवारा,नंदकिशोर साव नीरव, रोशन लाल साहू,ग्वाला प्रसाद यादव नटखट, युनुस अजनबी,हेमलाल सहारे, कुलेश्वर दास साहू,राजकुमार चौधरी,नन्दकुमार साहू नादान,अमृतदास साहू, रमेश मंडावी, बलराम सिन्हा रब,मदन मंडावी,शिवप्रसाद लहरे, राजेन्द्र कुमार साहू,होरी लाल भूआर्य, डोहर दास साहू के साथ अन्य सदस्यों ने भी बधाई देते हुए खुशी जाहिर की। छत्तीसगढ़ के इन साहित्यकारों की कविता-लेख पाठ्यक्रम में शामिल है- अरुण कुमार निगम की अच्छा भोजन सेहत देता, सुख-दुख में सहभागी, आशा देशमुख की प्रकृति का उपहार, स्वस्थ तन स्वस्थ भोजन, एक आह्वान व कर्म देश के प्रति, सूर्यकान्त गुप्ता के स्वास्थ्य के दोहे, चोवाराम बादल के बिन आहार जिंदगी कहां, जीतेन्द्र वर्मा खैरझिटिया के सहभागिता, अजय अमृतांशु के सहभागिता एक चिन्तन, दिलीप कुमार वर्मा के समरसता, सुखदेव सिंह के सहभागिता हमारी व सरला शर्मा के सहयोगिता नामक कविता लेख सम्मिलित है।

प्रकृति बिना हमारा जीवन असंभव - अरविन्द तिवारी

(विश्व पर्यावरण दिवस विशेष)

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स) । प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून को मनाते हैं। इस मौके पर विभिन्न देश अलग अलग तरीके से पर्यावरण को लेकर अपने नागरिकों को जागरूक करने के लिये कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकृति को समर्पित दुनियां भर में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा उत्सव है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिये चुनी गई थीम 'भूमि बहाली , मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन' है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये अरविन्द तिवारी ने बताया पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की कुल इकाई है जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रूप, जीवन और जीविता को तय करते हैं। मनुष्यों द्वारा की जाने वाली समस्त क्रियायें पर्यावरण को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। इस प्रकार किसी जीव और पर्यावरण के बीच का संबंध भी होता है, जो कि अन्योन्याश्रि ?त है। मानव हस्तक्षेप के आधार पर पर्यावरण को दो भागों में बांटा जा सकता है जिसमें पहला है प्राकृतिक या नैसर्गिक पर्यावरण और मानव निर्मित पर्यावरण। यह विभाजन प्राकृतिक प्रक्रियाओं और दशाओं में मानव हस्तक्षेप की मात्रा की अधिकता और न्यूनता के अनुसार है। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनियां भर में लोगों के बीच पर्यावरण प्रदूषण , जलवायु परिवर्तन , ग्रीन हाउस के प्रभाव , ग्लोबल वार्मिंग , ब्लैक होल इफेक्ट आदि ज्वलंत मुद्दों और इनसे होने वाली विभिन्न समस्याओं के प्रति सामा-?य लोगों को जागरूक करना और पर्यावरण की रक्षा के लिये उ-?हें हर संभव प्रेरित करना है। इस दिन लोगों को जागरूक करने के लिये कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों के ज़रिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने , पेड़ों को संरक्षित करने , हरे पेड़ ना काटने , नदियों को साफ़रखने और प्रकृति से खिलवाड़ ना करने जैसी चीजों के लिये जागरुक किया जाता है। पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है जिसमें परि का मतलब है हमारे आसपास अर्थात जो हमारे चारों ओर और च्आवरणज् जो हमें चारों ओर से घेरे हुये है। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की कुल इकाई है जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रूप, जीवन और जीविता को तय करते हैं ।वैज्ञानिक रूप से कहें तो हमारे आस-पास की हर चीज हमारे पर्यावरण का निर्माण करती है। सजीव और निर्जीव दोनों चीजें हमारे पर्यावरण का निर्माण करती हैं। जीवित या जैविक घटकों में पौधे , जानवर और रोगाणु शामिल हैं जबकि निर्जीव या अजैविक घटकों में हवा , पानी , मिट्टी आदि शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिये मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1972 में 05 जून से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्टाकहोम (स्वीडन) में आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन से हुई। इसमें 119 देशों ने भाग लिया और पहली बार ह्हरुङ्क ह्हश्व श्चक्रञ्ज॥ (एक ही पृथ्वी के सिद्धांत) को सर्वमान्य तरीके से मान्यता प्रदान की गई। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय पर्यावरण के संरक्षण तथा सुधार की विश्वव्यापी समस्या का निदान करना था। इस सम्मेलन में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पर्यावरण की बिगड़ती स्थिति एवं उसका विश्व के भविष्य पर प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया था। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण सुरक्षा की तरफये भारत का पहला कदम माना जाता है। इसलिये ये दिन भारत के लिये भी विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके बाद 05 जून 1973 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। पर्यावरण के जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े-मकोड़े, सभी जीव-जंतु और पेड़-पौधों के अलावा उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियायें और प्रक्रियायें भी शामिल हैं। जबकि पर्यावरण के अजैविक संघटकों में निर्जीव तत्व और उनसे जुड़ी प्रक्रियायें आती हैं, जैसे: पर्वत, चट्टानें , नदी , हवा और जलवायु के तत्व इत्यादि। सामान्य अर्थों में यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों , तथ्यों , प्रक्रियाओं और घटनाओं से मिलकर बनी इकाई है। यह हमारे चारों ओर व्याप्त है और हमारे जीवन की प्रत्येक घटना इसी पर निर्भर करती और संपादित होती हैं। मनुष्यों द्वारा की जाने वाली समस्त क्रियायें पर्यावरण को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। इस प्रकार किसी जीव और पर्यावरण के बीच का संबंध भी होता है, जो कि अन्योन्याश्रि ?त है। मानव हस्तक्षेप के आधार पर पर्यावरण को दो भागों में बांटा जा सकता है जिसमें पहला है प्राकृतिक या नैसर्गिक पर्यावरण और मानव निर्मित पर्यावरण। यह विभाजन

प्राकृतिक प्रक्रियाओं और दशाओं में मानव हस्तक्षेप की मात्रा की अधिकता और न्यूनता के अनुसार है। पर्यावरणीय समस्यायें जैसे प्रदूषण , जलवायु परिवर्तन इत्यादि मनुष्य को अपनी जीवनशैली के बारे में पुनर्विचार के लिये प्रेरित कर रही हैं और अब पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। आज हमें सबसे ज्यादा जरूरत है पर्यावरण संकट के मुद्दे पर आम जनता और सुधी पाठकों को जागरूक करने की। वायु प्रदूषण रोकने में वृक्षों का सबसे बड़ा योगदान है। पौधे वायुमण्डलीय कार्बन डाई ऑक्साइड अवशोषित कर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। अत: सड़कों , नहर पटरियों तथा रेल लाईन के किनारे तथा उपलब्ध रिक्त भू-भाग पर व्यापक रूप से वृक्ष लगाये जाने चाहिये ताकि हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ वायुमण्डल भी शुद्ध हो सके। औद्योगिक क्षेत्रों के निकट हरि पट्टियाँ विकसित की जानी चाहिये जिसमें ऐसे वृक्ष लगाये जायें जो चिमनियों के धुयें से आसानी से नष्ट ना हों तथा घातक गैसों को अवशोषित करने की क्षमता रखते हों। पीपल एवं बरगद आदि का रोपण इस दृष्टि से उपयोगी है। वृक्षारोपण हमारे देश भारत की संस्कृति एवं सभ्यता वनों में ही पल्लवित तथा विकसित हुई है यह एक तरह से मानव का जीवन सहचर है वृक्षारोपण से प्रकृति का संतुलन बना रहता है वृक्ष अगर ना हो तो सरोवर (नदियां)में ना ही जल से भरी रहेंगी और ना ही सरिता ही कल कल ध्वनि से प्रभावित होंगी वृक्षों की जड़ों से वर्षा ऋृतु का जल धरती के अंक में पोहचता है यही जल स्त्रोतों में गमन करके हमें अपर जल राशि प्रदान करता है ।वृक्षारोपण मानव समाज का सांस्कृतिक दायित्व भी है क्योंकि वृक्षारोपण हमारे जीवन को सुखी संतुलित बनाये रखता है वृक्षारोपण हमारे जीवन में राहत और सुखचैन प्रदान करता है। संस्कृति और वृक्षारोपण भारत की सभ्यता वनों की गोद मे ही विकासमान हुई है। हमारे यहां के ऋृषि मुनियों ने इन वृक्ष की छांव में बैठकर ही चिंतन मनन के साथ ही ज्ञान के भंडार को मानव को सौपा है वैदिक ज्ञान के वैराग्य में, आरण्यक ग्रंथों का विशेष स्थान है वनों की ही गोद में गुरुकुल की स्थापना की गई थी इन गुरुकुलो में अर्थशास्त्री , दार्शनिक तथा राष्ट्र निर्माण शिक्षा ग्रहण करते थे इन्ही वनों से आचार्य तथा ऋृषि मानव के हितों के अनेक तरह की खोजें करते थे ओर यह क्रम चला ही आ रहा है पक्षियों का चहकना , फूलो का खिलना किसके मन को नहीं भाता है इसलिये वृक्षारोपण हमारी संस्कृति में समाहित है। वृक्षारोपण उपासना हमारे भारत देश में जहां वृक्षारोपण का कार्य होता है वही इन्हें पूजा भी जाता है कई ऐसे वृक्ष है जिन्हें हमारे हिंदू धर्म में ईश्वर का निवास स्थान माना जाता है। जैसे नीम , पीपल , आंवला , बरगद आदि को शास्त्रों के अनुसार पूजनीय कहलाते है और साथ ही धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष प्रकृति के सभी तत्वों की विवेचना करते हैं जिन वृक्ष की हम पूजा करते है वो औषधीय गुणों का भंडार भी होते हैं जो हमारी सेहत को बरकरार रखने में मददगार सिद्ध होते है। आदिकाल में वृक्ष से ही मनुष्य की भोजन की पूर्ति होती थी, वृक्ष के आसपास रहने से जीवन में मानसिक संतुलन ओर संतुष्टि मिलती है। वृक्षारोपण मानव समाज का सांस्कृतिक दायित्व भी है क्योंकि वृक्षारोपण हमारे जीवन को सुखी संतुलित बनाये रखता है वृक्षारोपण हमारे जीवन में राहत और सुखचैन प्रदान करता है। आईये हम विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने और उसकी सुरक्षा की संपूर्ण जिम्मेदारी का संकल्प लें ताकि हमारे साथ - साथ आनेवाली पीढ़ी को शुद्ध हवा और प्राकृतिक वातावरण सुलभ हो सके।

गोदाम में रखे सेन्ट्रींग प्लेट सामान को चोरी करने वाले चोरों को पकड़ने में डोंगरगढ़ पुलिस कामयाब

चोरी के सेन्ट्रींग प्लेट सामान को की गई जप्ती

डोंगरगढ़ (नादगांव टाइम्स)। प्रार्थी अनिल कुमार गट्टानी पिता स्व0 प्रकाशचंद गट्टानी उम्र- 58 साल निवासी डोंगरगढ़ के गोदाम इंदिरा नगर, बीड़ी कालोनी के पास डोंगरगढ़ में स्थित है जिसके अन्दर पीछे भाग में लगभग 150 नग लोहे का सेन्ट्रिग प्लेट एवं 60 नग लोहे का पाईप, लोहे का चैन, एंगल के अलावा ठेकेदारी से जुड़े अन्य सामान किमती लगभग- 120000/-रू0 को रखा हुआ था। प्रार्थी दिनांक- 02.06.2024 को सुबह गोदाम गया तो देखा कि गोदाम में रखे सेन्ट्रींग सामन चोरी हो गया है। जिसकी रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्र0-316/2024 धारा- 457, 380, 411 भादवि0 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अज्ञात आरोपी के पता तलाश एवं विवेचना हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव श्री मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा व श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशिष कुंजाम से विवेचना हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त कर तत्काल निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये अलग-अलग टीम बना कर घटना क्षेत्र के संदेहियों से पुछताछ कर एवं तकनिकी साक्ष्य की मदद से अज्ञात आरोपियों के पता तलाश में जुट गये। जिससे सेन्ट्रींग प्लेट चोरी करने वाले आरोपी 01. उज्जवल शेण्डे पिता सुनील शेण्डे उम्र- 24 साल निवासी डोंगरगढ़, 02. राजू मेश्राम पिता स्व0 दौलत मेश्राम उम्र- 35 साल निवासी डोंगरगढ, 03. सरताज हुसैन पिता स्व0 ईकबाल हुसैन उम्र- 24 साल साकिन अछोली थाना डोंगरगढ़ एवं 02 नाबालिग बालाकों को पकड़कर चोरी के सेन्ट्रींग प्लेट सामानों को जप्त कर आरोपीगण को गिरफ्तार कर एवं अपचारी बालकों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है एवं घटना के अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश की जा रही है मिलने पर गिरफ्तारी कार्यवाही की जायेगी. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा, सउनि एम कुरैशी, प्र0आर0- अखिल अम्बादे, आरक्षक प्रयंश सिंह, चन्द्रकांत सोनी, मनोज हरमुख, लीलाधर मण्डलोई का विशेष योगदान रहा है।

जबानटोला में राशि स्वीकृत होने के बाद भी आंगनबाड़ी भवन निर्माण अधूरा

जोंधरा (नादगांव टाइम्स)। छुरिया विकासखंड के आश्रित ग्राम पंचायत जबानटोला परेवाडीह में आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु शासकीय स्वीकृति के बाद भी विगत साल भर से आंगनबाड़ी भवन का निर्माण अधूरा पड़ा हुआ है । मिली जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु (सात लाख पचपन हजार पॉच सौ) 755500/- रूपयों की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई है । पंचायत द्वारा आंगनबाड़ी भवन हेतु मात्र नींव निकालकर कालम बस खड़ा कर दिया गया है । विदित हो ग्राम जबानटोला परेवाडीह में अब तक नैनिहालों के लिए आंगनवाड़ी भवन नहीं है, इसके कारण आज भी बच्चे ग्राम के किसी भी व्यक्ति के खाली छपरी में पढ़ने जाते है। जिस दिन जिसका बरामदा या छपरी खाली मिला उस दिन आंगनबाड़ी वही संचालित किया जा रहा है । युवाओं ने की शीघ्र बनाने की मांग - ग्राम के देवसिंग विश्वकर्मा, आत्माराम भुवार्य, रूपसिंह सलामे ने प्रतिनिधि को बताया कि आंगनबाड़ी भवन नहीं होने के कारण बच्चों को प्रतिदिन अलग-अलग जगह पर भटकना पड़ता है जबकि राशि स्वीकृत हुए वर्ष भर बीत चुका है उन्होंने शासन से शीघ्र ही पंचायत को आदेश प्रदान करते हुए निर्माण कार्य को गति देने की बात की है । पंचायत में सीसी सड़क निर्माण कार्य किए जाने के कारण आंगनबाड़ी भवन निर्माण को ब्रेक कर दिया गया था अब शीघ्र ही निर्माण प्रारंभ किया जाएगा **सरपंच सालबाई बिहारी ग्राम पंचायत**

शुभांक

1-5-9

178-6 599-3

भाग्यांक

390-2 370-0

पुरखा के सुरता

7 जून -75 वीं जयंती म विशेष

छत्तीसगढ़ी के अमर गीतकार - लक्ष्मण मस्तुरिया

मोर संग चलव रे, मोर संग चलव जीज् मंय छत्तीसगढ़िया अंवज् पता दे जा रे गाड़ी वालाज् पड़की मैनाज् मंगनी म मांगे मया नइ मिलयज् मन डोले रे माघ फगुनवाज् घुनही बंसुरियाज् सोना खान के आगीज् जइसे गीत के लिखइया जन कवि स्व. लक्ष्मण मस्तुरिया के 7 जून के 75 वीं जयंती हे ।मस्तुरिया जी हा अपन अपन गीत, कविता अउ गायन के माध्यम ले छत्तीसगढ़िया मन के स्वाभिमान ला जगाइस अउ सुग्घर ढंग ले अपन हक खातिर लड़े के रद्दा बताइस. वोकर गीत म एक डहर छत्तीसगढ़ महतारी के गजब बखान हे त दूसर कोति छत्तीसगढ़वासी मन के भोला पन के वर्णन के संगे- संग किसान, मजदूर ला जगाय के उपाय हे.

जिनगी भर छत्तीसगढ़िया मन के मान मर्यादा बर लड़इया अइसन क्रान्तिकारी कवि अउ गीतकार

के जनम बिलासपुर जिला के मस्तुरी गाँव म 7 जून 1949 के होय रिहिन हे. शुरुआत के जिनगी गजब संघर्ष ले बीतिस. फेर वोहर राजकुमार कालेज रायपुर

म शिक्षक के रूप म अपन सेवा दिस. बाद म हिंदी विभागाध्यक्ष घलो रिहिन.

जउन मन ह दाउ रामचन्द्र कृत चंदैनी गोंदा ल अपन खूब मिहनत ले ऊँचाई तक पहुँचाइस वोमा लक्ष्मण मस्तुरिया ह प्रमुख रिहिन हे. लक्ष्मण मस्तुरिया ह चंदैनी गोंदा के गीत अउ गायन पक्ष ल गजब सजोर बनाइस.

मस्तुरिया जी के लिखे अउ गाये

गीत ह जनता के बीच गजब लोक प्रिय होइस . छत्तीसगढ़ के आकाशवाणी केन्द्र मन म उंकर गीत ह खूब चलिस. रायपुर दूरदर्शन म गीत प्रसारित होइस. उंकर गीत ल सुन के मन ह खुशी से झूमे लागय त कतको गीत ह छत्तीसगढ़िया मन के स्वाभिमान ल जगाइस. वोकर गीत के खूब आडियो अउ वीडियो रूप बनिस. पान ठेला, होटल के संगे संग बर बिहाव, षट्ठी, कोनो भी सार्वजनिक कार्यक्रम म मस्तुरिया जी के गीत रंग झाझर मंता देय. वोकर गीत ल सभा -संगोष्ठी म बजा के / गा के जनता म जोश भरे जाथे. स्कूल /कॉलेज के वार्षिक समारोह म मस्तुरिया के गीत ह कार्यक्रम म जान डाल देथे.

लक्ष्मण मस्तुरिया के बारे म डॉ. बल्देव जी ह लिखथे ङ्कच्च्लक्ष्मण मस्तुरिया हमर अग्रज कवि हरि ठाकुर जइसन वीर अउ श्रृंगार, क्रांति अउ पीरित के अद्वितीय गायक आय .कहूँ -कहूँ उन बहुत करीब हे, लेकिन शैली के थोर बहुत अन्तर तो रहिबेच करही.ज्ज

छत्तीसगढ़वासी मन के स्वाभिमान ल वो कइसे जगाइस वोकर उदाहरण देखव ङ्कसोन

उगाथौं माटी खाथौ ।

मान ल देके हांसी पाथौ ।।

खेती खार संग मोर मितानी ।

घाम मयारु हितवा पानी ।।

मोर इही जिनगानी मंय नगरिया अंव ग

किसन के बड़े भइया हलधरिया अंव रे ज

झन कह मोला लेढ़वा डोमी करिया अंव ग

सिधा म सिधा नइ तो डोमी करिया अंव रेज्

मैं छत्तीसगढ़िया अंव रेज्

मोर संग चलव गीत म वोहर छत्तीसगढ़िया मन ल जगाय के काम करथे. बिपत संग जूझे बर कहिथे.

मोर संग चलव रे, मोर संग चलव जी

वो गिरे थके हपटे मन अउ परे

डरे मनखे मन

मोर संग चलव रे, मोर संग चलव ग

बिपत संग जूझे बर भाई मंय बाना बांधे हंव ।

सरग ल पिरथी म ला देहू प्रन अइसे ठाने हंव ।।

मोर सुमता के सरग निसेनी जुरमिल सबो चढ़व रेज्

मोर संग चलव रे, मोर संग चलव जीज्

मस्तुरिया जी के श्रृंगार गीत ल सुन के मन ह मयूर जइसे नाचे ल लगथे. अंतस ह मगन हो जाथे.

पता दे जा ले जा गाड़ी वाला रे

तोर नाम के तोर गाँव के तोर काम केज्

पता दे जा

जियत जागत रहिबे बयरी

भेजबे कभू ले चिठिया

बिना बोले भेद खोले रोये

जाने अजाने पीरीतिया

बिन बरसे उमड़े घुमड़े

जीव मया के बयरी बदरिया

पता दे जा रे गाड़ी वालाज्

अइसने च्पड़की मैना च्गीत ल सुनके हिरदे ल गजब उछाह लागथे.

वारे मोर पड़की मैना, तोर कजरेली नैना

मिरगिन कस रेंगना तोरे नैना

मारे वो चोंखी बान, हाय रे तोर नैनाज्

वियोग श्रृंगार रस मा मस्तुरिया के गीत ल सुन के मया करइया मन के आंसू ह टपक जाथे.

काल के अवइया कइसे आज ले नइ आये

तोला का होगे, रस्ता नइ दिखे बइरी तोरज्

का कहूं रस्ता म काहीं अनहोनी होगे

का कहूं छोड़ मया ल संगवारी जोगी होगे

घेरी बेरी डेरी आंखी कइसे फरकाये

तोला का होगे, टीपकी टीपकी आंसू गिरे मोरज्

अइसने अउ उदाहरण प्रस्तुत हे..

सरी रतिहा पहागे तैं नइ आये रे

तोला घेरी बेरी बइरी मंय सपनायेंव रेज्

अइसन का होगे काम

भूलिगै देह ल परान

का तो महि हौं अभागिन

अपने होगे आन

आ आ नींद बइरी आंखी ले उड़ि जाय रे

शोषण करइया मन ल मस्तुरिया जी खूब ललकारय .

हम तो लूट गयेन सरकार तुंहर भरे बीच दरबार

खुल्लम -खुल्ला राज म तुंहर अहा अत्याचार

रइहो रइहो खबरदारज्

हाय विधाता दिन -दिन बाढै देस म अत्याचारी

परमिट वाले डाकू भइगे जन सेवक सरकारी

सुतरी सुतरी छांद फांद के लूटै पारी -पारी

हांस रे लछमन करम ठठा नइ रोवे म उबार

हम तो लूट गयेन सरकार तुंहरे भरे बीच दरबारज्

मस्तुरिया जी ह च्सोनाखान के आगीज् म शहीद वीर नारायण सिंह के वीरता ल गजब सुग्घर ढंग ले प्रस्तुत करे हवय .

फेर सुरता आगे उही प्रन के ।

फरकिस भुजा बरन ललियाय ।।

आंखी जले लगिस लक लक द्य

कटरै दांत , बदन अटियाय !!

नहीं नहीं संगी ये मरना तो ।

कायर अउ मन हारे के ।।

मोर जिनगी मोर परजा खातिर।

जे मोला मुखिया माने हे ।।

जमींदार मंय सोना खान के ।

सोना उपजै मोर माटी म ।।

जिहां के भुंईधर भूख मरत हे ।

आग बरै मोर छाता म ।।

रचनायेंज्

मस्तुरिया के रचना म हमू बेटा भुइंया के (काव्य संग्रह), चंदैनी गोंदा में लक्ष्मण मस्तुरिया के गीत ,छत्तीसगढ़ के माटी (छत्तीसगढ़ दर्शन),सोना खान के आगी, माटी कहे कुम्हार से (निबंध संग्रह) अउ घुनही बंसुरिया (गीत संकलन) प्रमुख हे.

मस्तुरिया जी ह सन् 2000 मा बने मोर छइंहा भुइंया, मंजरी सहित कतको छत्तीसगढ़ी फिलिम बर गीत लिखे के सँगे सँग गायन करिस.

कछ बेरा तक लोकासुर मासिक पत्रिका के संपादन घलो करीस.

सम्मान - छत्तीसगढ़िया जन जागरण के अग्रदूत मस्तुरिया जी ल राज्य सरकार द्वारा जउन सम्मान मिलना रिहिस वो नइ मिल पइस. आंचलिक साहित्य म गजब लिखइया साहित्यकार मन ला शासन द्वारा पं. सुंदर लाल शर्मा सम्मान देय जाथे. वहू नइ देय गिस. जबकि मस्तुरिया जी के कई ठन गीत ह छत्तीसगढ़ के स्वभिमान गीत हरे. पृथक छत्तीसगढ़ राज्य आंदोलन के समय मस्तुरिया के गीत मोर सँग चलव रेज् मयँ छत्तीसगढ़िया अवँ ज्ह शंखनाद के काम करिस. पर मस्तुरिया जी ह जनता के प्यार ल सबसे बड़े सम्मान माने. एक चैनल म इंटरव्यू देत खानि वोहा पूरा दम खम के साथ येला बोले रिहिस. ये इंटर व्यू देत समय सुप्रसिद्ध गीतकार जनाब मीर अली मीर जी घलो उंकर संग रिहिस.

हमर छत्तीसगढ़ के कतको साहित्यिक अउ सांस्कृतिक संस्था मन हा मस्तुरिया जी ल सम्मानित करिस. येमा छत्तीसगढ़ी काव्य भूषण, लोक स्वर, विशेष प्रतिभा सम्मान, स्व. ठाकुर प्यारे लाल सिंह सम्मान, छत्तीसगढ़ी विभूषण, सृजन सम्मान, रामचंद्र देशमुख बहुमत सम्मान ।

रेडियो म मस्तुरिया जी के गीत ल ननपन ले सुनत हन. गिने चुने जउन गीतकार, गायक मन जनमानस म अपन अलग प्रभाव छोड़िस वोमा लक्ष्मण मस्तुरिया प्रमुख रीहिन हे । मस्तुरिया जी के कवि सम्मेलन म अब्बड़ मांग रहय. छत्तीसगढ़ के सबो प्रमुख शहर अउ कतको गाँव म वोहा काव्य पाठ करे हे.वोकर लोक प्रियता ल देख के भीड़ भाड़ ल रोके बर वोला आखिरी डहर काव्य पाठ कराय जाय.मेहा लक्ष्मण मस्तुरिहा ल लखोली, राजनांदगांव म आयोजित कवि सम्मेलन म काव्य पाठ करत सुने रहेंव. छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के कार्यक्रम म मस्तुरिया जी ले भेंट होय ।

मस्तुरिया जी ह 20 जनवरी 1974 म नई दिल्ली के लालकिले म गणतंत्र दिवस के अवसर म आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन म काव्य पाठ करिस. वोहा देश के नामी कवि/गीतकार गोपाल दास नीरज, बाल कवि बैरागी, इन्द्रजीत सिंह तुलसी, रामावतार त्यागी, रमानाथ अवस्थी मन संग अपन प्रस्तुति दिस. वो समय मस्तुरिया जी सिरिफ 25 बछर के रिहिन हे ।येहर छत्तीसगढ़ म वोकर लोक प्रियता के सबले बड़का उदाहरण हे .

छत्तीसगढ़ के ये रतन बेटा ह 3 नवंबर 2018 म परम लोक चले गे. श्रद्धेय मस्तुरिया जी ल उंकर 75 वीं जयंती म सत् सत् नमन हे।

ओमप्रकाश साहू च्अंकुरज
सुरगी, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

ज्ञान मंथन

1) ग्रीन मफ्लर किस प्रदूषण से संबंधित है?

2) उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अधिकतम आयु सीमा कितनी होती है?

3) इंटरनेट और सोशल मीडिया में आरएसएस का क्या मतलब है?

4) लावी मेले के लिए कौन सा प्रदेश प्रसिद्ध है?

5) प्रथम भारतीय महिला सैनिक स्काई डाइवर कौन है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)

उत्तर माला

(1) वायु और ध्वनि (2) 62 वर्ष (3) रियली सिंपल सिंडिकेशन (4) हिमाचल प्रदेश (5) लांस नायक मंजू

ध्यान-साधना अलौकिक ऊर्जा प्राप्ति का आधार सूत्र - द्विवेदी

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। भारतीय मनीषा, दर्शन एवं सनातन परंपरा में योग एवं ध्यान-साधना, समाधि आदि को सदा-सर्वदा से मानव

के उत्कर्ष का सुदृढ़ स्थाई आधार सूत्र माना गया है। इसी महत्तम समसामयिक विचार तथ्य पर नगर के संस्कृति विचारप्रज्ञ व्यक्तित्व डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी ने विशेष चिंतन विमर्श में बताया कि ध्यान-साधना से एक साथ शारीरिक-मानसिक थकान, विकार आदि सरल, सहज रूप से दूर होते हैं। बल्कि ध्यान साधना से ही निर्धारित मानक समय के अंतर्गत मानव मात्र को अद्भूत- अलौकिक-असीम ऊर्जा प्राप्त होती है। भारतीय सनातनी संस्कार पद्धति में अध्यात्मिक एवं आत्मिक उन्नति के लिए हमारे ऋषि-महर्षि तपस्वियों ने ध्यान-योग-साधना को ही अपनाया। इसीलिए आदिकाल से ही देवादिदेव महादेव भगवान शिव ध्यान-साधना के आदि गुरू एवं पूर्ण कलावतारी भगवान श्री कृष्ण योगेश्वर कहलायें और आदि शंकराचार्य, महर्षि अरविन्द, स्वामी विवेकानंद भी इसी ध्यान - साधना से मानव मात्र से महामानव बनें। आगे डॉ. द्विवेदी ने विशिष्ट रूप से उल्लेखित किया कि भारतीय सनातन, वैदिक दर्शन के मुख्य छह घटकों में योग साधना को ही सर्वश्रेष्ठ माना गया है। यह मानव के मन-मस्ष्कि को परम सार्थक एकाग्रता से जोड़कर सहज-सरल सुखकारी एवं जन-कल्याणकारी सोच और पहल के लिए सशक्त विशुद्ध रचनात्मक ऊर्जा - शक्ति - साहस प्रदान करता है आईये सर्व जन-जन श्रेष्ठ-सार्थक राष्ट्रवादी प्रादर्श नागरिक बनने हेतु व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक जीवन में उन्नति सर्वोत्कृष्ठ प्रगति के लिए ध्यान साधना को अपनी व्यस्त जीवनचर्या में अवश्य अपनाएं। विशेषकर ध्यान-साधना जब एकांत, सहज, प्राकृतिक परिवेश में, सुरम्य घाटी-कन्दराओं में और सागर- द्वीप-प्रायद्वीप में की जाती है और अधिक सफ्लीभूत होती है। यही मानव से महामानव और महापुरूष बनने की सर्वोपयुक्त साधन प्रक्रम हैं।

भीषण गर्मी की चपेट में छत्तीसगढ़, मानसून का इंतजार सभी को

रायपुर। इस वर्ष छत्तीगसढ़ में ग्रीष्म ॠतु में निरंतर बढ़ते तापमान में गर्मी के सारे रिकार्ड तोड़ दिये। सर्वाधिक तापमान मुंगेली जिले में गत दिनों 47 डिसी दर्ज किया गया। वहीं रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में भी तापमान औसतन 45, 46 डिग्री तक दर्ज किया गया। सघन वन संभागों यथा सरगुजा एवं बस्तर में भी पिछले दस वर्षों की तुलना में मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष लगातार तापमान में वृद्धि देखी गई। नवतपा में नौ दिन रिकार्ड तोड़ गर्मी पड़ी जिससे न केवल छग वरन देश के अन्य राज्यों में भी तापमान 50 से 52 डिग्री दर्ज किया गया। पर्यावरण प्रेमी एवं प्रकृति के लिए निरंतर काम करने वाले संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रमाशंकर अवधिया के अनुसार लगातार तापमान में हो रही वृद्धि आने वाले समय में गंभीर स्थिति की ओर इशारा करती है। लगातार गर्मी की चपेट में आने से जहां जांजगीर चांपा जिले में अब तक 12 लोगों के लू की चपेट में आने से मृत्यु हो गई है।

9 जून -5 वीं पुण्यतिथि म विशेष

पुरखा के सुरता

लोक संगीत सम्राट- खुमान साव

कोनो भी अंचल के संस्कृति वो क्षेत्र के पहिचान होथे. येमा वोकर आत्मा ह वास करथे. जब अपन संस्कृति ल जन मानस समाज ह कोनो मंच म प्रस्तुति के रूप म देखथे त ऊंकर हिरदे म गजब उछाह भर जाथे. हमर छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के अलगे पहिचान हे. येला जन जन तक बिखेरे म जउन महान कलाकार मन के हाथ हे वोमन म स्व. दुलार सिंह साव मंदराजी, स्व. दाऊ रामचंद्र देशमुख, स्व. महासिंग चन्द्राकर, स्व. हबीब तनवीर, स्व. देव दास बंजारे, स्व. झाडू राम देवांगन, श्रीमती तीजन बाई, स्व. केदार यादव, स्व. लक्ष्मण मस्तुरिया,स्व.शेख हुसैन, झुमुक दास बघेल, निहाई दास मानिकपुरी, ममता चन्द्राकार, कविता वासनिक, पूना राम निषाद, लालू राम साहू, स्व. मदन निषाद, स्व. गोविन्द निर्मलकर,माला मरकाम, फिद्दा बाई मरकाम, सूरुज बाई खांडे, चिन्ता दास बंजारे, रामाधार साहू, दीपक चन्द्राकार, शांति बाई चेलक, स्व. भैया लाल हेड़ाऊ,स्व.गंगा राम शिवारे, बद्री विशाल यदु परमानंद,शिव कुमार तिवारी, मिथलेश साहू, घुरवा राम मरकाम, डॉ. पीसी लाल यादव, शिव कुमार दीपक, नवल दास मानिकपुरी अउ संगीतकार श्रद्धेय स्व. खुमान साव के नांव ल आदर के साथ लेय जाथे. स्व. साव जी ह अपन साधना के बल म छत्तीसगढ़ी लोक संगीत ल खूब मांजिस. हमर लोक गीत ल पश्चिमी अउ फिल्मी संस्कृति ले बचा के माटी के खुशबू ल बिखेरिस. खुमान साव ह छत्तीसगढ़ के नामी कवि अउ गीतकार मन के गीत ल संगीतबद्ध कर के चंदैनी गोंदा के मंच म प्रस्तुति दिस.

छत्तीसगढ़ी लोक संगीत बर समर्पित खुमान साव के जनम 5 सितंबर 1929 म राजनांदगॉव के ग्राम खुर्सीटिकुल (डोंगरगॉव) म होय रिहिस. बाद म ठेकवा (सोमनी)म जाके बसगे. वोकर बाबू जी के नांव टीकमनाथ साव रिहिस. खुमान ल लोक गीत- संगीत के घर म सुग्घर वातावरण मिलिस काबर कि वोकर बाबू जी ह हारमोनियम बजाय. लइका खुमान ह घर म हारमोनियम बजाय म धियान लगाय. फेर वोहा रामायण मंडली म हारमोनियम बजाय ल शुरु करिस. खुमान ह नाचा के भीष्म पितामह स्व. मंदराजी दाऊ के मौसी के बेटा रिहिस .मंदरा जी दाऊ ह खुमान ल हारमोनियम बजाय बर प्रोत्साहित करे. खड़े साज म वोहा पहिली बार 13 साल के उमर म बसन्तपुर (राजनांदगॉव) के नाचा कलाकार मन सँग हारमोनियम बजइस. मंदरा जी दाऊ द्वारा संचालित रवेली नाचा पार्टी म वोहा 14 साल के उमर म सामिल होगे. साव जी नाचा म हारमोनियम म लोक धुन के सृजन कर छत्तीसगढ़ के माटी के महक ल बिखेरे के जब्बर काम करिस. साव जी ह बी. ए. तक शिक्षा प्राप्त करे रिहिन हे. वोहर म्युनिसीपल स्कूल राजनांदगॉव म शिक्षक रिहिन हे.

साव जी ह सन 1950-51 म राजनांदगॉव म आर्केस्टा पार्टी चलाइस. छत्तीसगढ़ के कतको शहर के सँगे -सँग महाराष्ट्र अउ मध्यप्रदेश म आर्केस्टा के प्रस्तुति दिस. धीरे से वोकर मन ह आर्केस्टा डहर ले उचट गे. 1952 म सरस्वती कला मंडल के गठन करिस. खुमान साव जी के प्रतिभा ल देखके दाऊ रामचंद्र देशमुख ह अब्बड़ प्रभावित होइस. 1952 म दाऊ रामचंद्र देशमुख के गांव पिनकापार (बालोद)म मंडई के समय म नाचा होइस. ये कार्यक्रम म देशमुख जी हा साव जी ल हारमोनियम बजाय बर बुलाइस.1953 म घलो अइसने होइस.ये कार्यक्रम के अइसे प्रभाव पड़िस कि रवेली अउ रिंगनी नाचा पार्टी के विलय होगे. काबर कि येमा रवेली अउ रिंगनी पार्टी के संचालक मन ल छोड़ के बाकी नामी कलाकार मन ह आमंत्रित होय रिहिन हे. लोक

संगीत अउ कला डहर कुछ अलग काम करे के इच्छा के सेति वोहा 1960 म शिक्षक सांस्कृतिक मंडल के गठन करिस. येमा भैया लाल हेडाऊ, गिरिजा सिन्हा, रामनाथ सोनी जइसे बड़का कलाकार मन शामिल होइस.

साव जी ह सबले पहिली स्व. रामरतन सारथी के 3 गीत मोला मइके देखे के साध, सुनके मोर पठौनी परोसिन रोवन लागे, सोन के चिरइया बोले ल लयबद्ध करिस. 1971 म आकाशवाणी रायपुर म वोकर संगीत निर्देशन म गाना रिकार्ड होइस .भैया लाल हेड़ाऊ अउ दूसर कलाकार मन ह गीत गाइस.

दाऊ रामचंद्र देशमुख ह रेडियो म खुमान साव अउ ऊंकर कलाकार मन के गीत ल सुनिस त साव जी ल अपन गांव बघेरा बुलाइस. वो समय दाऊ जी ह छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार मन ल सकेल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उदिम करत रिहिस. साव जी ह दाऊ रामचंद्र देशमुख द्वारा स्थापित चंदैनी गोंदा म हारमोनियम वादक के रूप म जुड़गे. चंदैनी गोंदा म साव जी ल अपन प्रतिभा देखाय के सुग्घर मौका मिलिस. चन्दैनी गोंदा के प्रसिद्धी म संगीत पक्ष के गजब रोल रेहे हे. येकर श्रेय खुमान साव ल जाथे जउन ह अपन साधना के बल म नामी कवि /गीतकार लाला फूलचंद, द्वारिका प्रसाद तिवारी विप्र, रविशंकर शुक्ल, पवन दीवान, प्यारे लाल गुप्त, कोदू राम दलित, राम रतन सारथी, लक्ष्मण मस्तुरिया के गीत ल संगीतबद्ध करके चंदैनी गोंदा म प्रस्तुति दिस. साव जी ह मोर संग चलव रे..., धन धन मोर किसान, घानी मुनी घोर दे, छन्नर छन्नर पैरी बाजे, चिटिक अंजोरी निर्मल छइंहा, मोर धरती मइया जय होवय तोर, पता ले जा रे गाड़ी वाला, बखरी के तुमा नार बरोबर, मोर खेती खार रुमझुम जइसे कतको छत्तीसगढ़ी गीत ल संगीत दिस. ये गीत मन हा अब्बड़ लोकप्रिय होइस अउ आजो जनता के जुबान म बसे हे. छत्तीसगढ़ी लोकगीत गौरा गीत, सुवा गीत, बिहाव गीत, करमा ये मन ला लयबद्ध करे म ऊंकर गजब योगदान हवय.

लोक संगीत के ये महान कलाकार से मोर पहिली भेंट 17 मार्च 2002 म दिग्विजय स्टेडियम के सभागार म आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम म होय रिहिस.

दूसरइया भेंट मानस भवन दुर्ग मा आयोजित छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति के प्रांतीय अधिवेशन म होइस .इहां के एक संस्मरण बतावत हवँ. कार्यक्रम ह चालू नइ होय रिहिस. साहित्यकार /कलाकार मन के पहुंचना जारी रिहिस. नामी साहित्यकर दानेश्वर शर्मा जी, खुमान साव जी सहित पांच -छै साहित्यकार स्वागत द्वार के पास खड़े होके एक दूसर ला पयलगी /जय जोहार करत रेहेन. इही बीच एक नव जवान कवि ह अइस अउ साव जी ल नइ पहिचान पाइस. हमर मन ले वो नव जवान कवि ह पूछे लागिस कि ये सामने म खड़े हे वोहा कोन हरे. मेहा साव जी के परिचय बताय बर अपन जबान खोलत रेहेंव त साव जी ह मोला रोक दिस अउ ओकर से पूछिस कि पहिली तँय ह बता तैंहा कोन गांव के हरस. नव जवान सँगवारी ह बोलिस - मेहा बघेरा (दुर्ग) के रहवइया अंव.

साव जी ह बोलिस कि- तैंहा बघेरा के हरस तब तो मोला तोला जानेच ल पड़ही. अउ मोर नांव नइ बता पाबे त तोला मारहू किहिस . ये बात ल सुनके वो नव जवान ह सकपकागे!

वइसे मेहा साव जी के अख्खड़ स्वभाव ले परीचित रेहेन त देरी नइ करत वोला बतायेंव कि - यह महामानव चंदैनी गोंदा के संचालक आदरणीय खुमान साव जी हरे. अइसन सुनके वोहा तुरते साव जी ल पयलगी करिस. जे साव जी ह वोला मारहू केहे रिहिस वोहा वोकर मुड़ी म हाथ रखके आशीर्वाद प्रदान करिस. ये प्रसंग म हमन मुस्कात रहिगेन.

फेर साव जी ह नम्र स्वभाव ले वोकर से किहिस कि - तैंहा बघेरा रहिथो केहेस तेकर सेति केहेंव कि मोला जाने ल पड़ही .फेर वो नव जवान ल पूछिस कि दाऊ रामचंद्र देशमुख जी ल जानथस ? श्री विश्वंभर यादव मरहा जी ल जानथस ? त वोहा किहिस कि हव दूनों ल जानथव.

साव जी ह बोलिस कि महू ह दाऊ रामचंद्र देशमुख जी के घर रिहर्सल मा आंव जी .तेकर सेति तोला केहेंव रे बाबू कि मोला तोला जाने ल पड़ही.

ये घटना ले पता चलथे कि साव जी ह नारियल जइसे ऊपर ले कठोर जरूर दिखय पर अंदर ले गजब नरम स्वभाव के रिहिस.

साव जी ह हमर साकेत साहित्य परिषद् सुरगी जिला राजनांदगॉव के वार्षिक समारोह म चार बेर पहुंचिस. 2012 म करेला (खैरागढ़) भवानी मंदिर मा आयोजित कार्यक्रम म, 2013 म सुरगी के पंचायत भवन म, 2015 म सुरगी के कर्मा भवन म अउ 2016 म सुरगी शनिवार बाजार चौक के मुख्य मंच मा आयोजित कार्यक्रम म पहुंच के हमन ल कृतार्थ करिस. 2015 म खुमान साव जी ह साकेत सम्मान स्वीकार कर हमन ल गौरवान्वित कर दिस. वर्ष 2016 म 87 साल के साव जी के चयन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार -2015 बर चयनित होय के खुशी म साकेत साहित्य परिषद् सुरगी द्वारा नागरिक अभिनंदन करे गिस.

2015 अउ 2016 म सम्मानित होय के बेरा म साव जी ह किहिस कि - मोला जनता से जउन सम्मान मिलथे उही मोर बर सबले बड़का सम्मान हरे. आज तक मेहा राज्य सम्मान अउ पद्म श्री बर आवेदन नइ करे हवँ न अवइया बेरा म करव! हां शासन ह खुद मोला सम्मान देना चाहत हे त दे सकथे. छत्तीसगढ़ के लाखो जनता के प्रेम ह मोर बर सबसे बड़े पुरस्कार हरे.

हमर छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के अइसन महान कलाकार ह 9 जून 2019 के दिन 89 साल के उमर म ये दुनियां ल छोड़ के स्वर्गवासी होगे. श्रद्धेय साव जी ल उंकर 5 वीं पुण्यतिथि म सत् सत् नमन हे।

ओमप्रकाश साहू अँकुर
सुरगी, राजनांदगॉव (छत्तीसगढ़)

विश्व पर्यावरण दिवस में जन जागृति अभियान चलाया गया...

राजनांदगांव (नादगांव टाइम्स)। परम पूज्य गुरुदेव श्री संकर्षण शरण जी (गुरुजी) आज विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी शिष्य समुदाय को जागृत करते हुए यह बताएं कि हम सबको अपने पर्यावरण की सुरक्षा स्वयं करना चाहिए जैसे- फ्लदार वृक्ष लगाना ,पेड़ नही काटना, जल संरक्षण, स्वच्छता , कुरा करकट कहां पर डालें ? कहां पर फेके, इस चीज पर ध्यान देने की आवश्यकता है, कहीं पर भी लोग कुरा करकट डाल देते हैं जिससे प्रदूषण बढ़ता जा रहा है, और उसका परिणाम हम स्वयं को भुगतना पड़ता है हम बीमार होते हैं, विद्युत का जितनी आवश्यकता है उतना ही उपयोग करें,दुरुपयोग न करे, जल ही जीवन है , नदी तालाब को प्रदूषित न होने दे, वानिकी कितना महत्वपूर्ण है जंगल काट कर मेट्रो सिटी बन रहा है, जिसके कारण पर्याप्त मात्रा में वर्षा नहीं हो पा रही है और हमारा पर्यावरण असंतुलित होते जा रहा है ,पर्यावरण के असंतुलन से स्क्रीन डिजिट ,चर्म रोग सबसे अधिक होने लगा है , सब जगह अधिक मात्रा में पाए जाने लगा है यह सब पर्यावरण के असंतुलन के कारण है तीर्थ का जल प्रदूषण होता जा रहा है एक तरफ धर्म और आस्था दूसरी तरफ जितने भी फूल पत्ते हैं सब नदी में भी विसर्जित कर दिए जाते हैं जिसके कारण

तीर्थो का जल प्रदूषित होते जा रहा हैं ,मूर्तियां, के विसर्जन से केमिकल नदी के जल को प्रदूषित कर देती है,चुनरी के सितारे जाकर जल को प्रदूषित कर रहे हैं ,पवित्र आस्था वाले लोग जाते हैं और जल में ही विसर्जित करना है इस तरह से पर्यावरण असंतुलित होते जा रहा है जो फर्टिलाइजर हम यूज कर रहे हैं उनका भी नकारात्मक प्रभाव हो रहा है,खेतों के चारे मर गए जो हमारे खेतों में पाए जाते थे,जंगली जीव -जंतु का संरक्षण, पशु - पक्षियों का संरक्षण बहुत आवश्यक है ,यह लुफ्त हो रही है जिसके चलते वातावरण असंतुलन हो रहा हैं फ्रिज, एसी सीएफ्सी 3 इसके कारण ओजोन परत में छिद्र हो रहा है,असमय वर्षा,या वर्षा न होना, बाढ़ प्रकोप,यह सब प्रकृति के असंतुलन के कारण ही हो रहा है ,जनरेटर का काला धुआं साथ में खेत में डंठल जलाने से जो खेतों में धुआं हो रहा है कीट पतंग उसी तरह बना रहता है, पराली जलाने से उर्वरा शक्ति को बढ़ावा यह सब नहीं हो रहा है जिस चीज का प्रयोग करना चाहिए वह छुटते जा रहा है, सुबह-सुबह ताज और ठंडी हवा नहीं ले पा रहे है, हम मनुष्य ने वायु को भी दूषित कर रखें है,हम सबको इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है और लोगों में जन जागृति लाने की आवश्यकता है। समस्त देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनायें दिए।

ईवीएम पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी आदत : अरुण साव

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकसभा चुनाव के सामने आ रहे परिणामों को लेकर कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को संवैधानिक

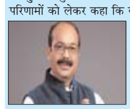

संस्थाओं पर विश्वास नहीं है. कांग्रेस के मुताबिक जब काम नहीं होता तो ये संवैधानिक संस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह उठाते हैं. ये लोग न्यायालय के निर्णयों पर अविश्वास जताते हैं. चुनाव आयोग पर प्रश्न उठाते हैं. अब एग्जिट पोल को मैनेज करने की बात कर रहे हैं. साव ने कहा कि आखिर कांग्रेस किस पर विश्वास करेगी. इसी कारण जनता ने कांग्रेस को अपने से दूर कर दिया है। साव ने कहा कि कांग्रेस और ईडी गठबंधन चुनाव रिजल्ट पर भी सवाल उठाएंगे. हार के बाद ईवीएम को दोषी ठहराएंगे. कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है, इनकी विश्वनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद ये लोग आपस में लड़ेंगे. एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करेंगे. छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी सभी 11 की 11 सीटें जीतेगी. छत्तीसगढ़ सहित 15 प्रदेशों में कांग्रेस का खाता नहीं खुलने वाला है। कांग्रेस के दावे पर साव ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में 75 पार का नारा दिया था, क्या हुआ, ये सब जानते हैं. ये लोग बुरी तरह से पराजित हुए थे. अब लोकसभा में भी इनकी बुरी हार होने वाली है. भाजपा छत्तीसगढ़ की सभी सीटें जीतने जा रही है. वहीं पूरे देश में एनडीए की 400 से अधिक सीटें आने वाली है. मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। चिंतन शिविर पर कांग्रेस के सवाल पर साव ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ का विकास नहीं चाहती है, इसलिए प्रदेश के विकास के लिए आयोजित शिविर पर सवाल उठा रहे हैं.

धर्म समाचार....

ज्येष्ठ अमावस्या पर पितरों को इस तरह करें प्रसन्न, सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि

अमावस्या तिथि भगवान विष्णु और पितरों को समर्पित है। इस दिन शुभ कार्य करने की मनाही है। जैसे- विवाह सगाई मुंडन और गृह प्रवेश आदि। इस बार ज्येष्ठ माह 06 जून को अमावस्या है। धार्मिक मान्यता है कि अमावस्या पर पितरों का तर्पण और पिंडदान करने पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। हर माह में अमावस्या का पर्व मनाया जाता है। अमावस्या तिथि भगवान विष्णु और पितरों को समर्पित है। इस दिन शुभ कार्य करने की मनाही है। जैसे- विवाह, सगाई, मुंडन और गृह प्रवेश आदि। इस बार ज्येष्ठ माह 06 जून को अमावस्या है। धार्मिक मान्यता है कि अमावस्या पर पितरों का तर्पण और पिंडदान करने पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। इस दिन पूजा के दौरान पितृ कवच का पाठ जरूर करना चाहिए। गरुड़ पुराण के अनुसार, पितृ कवच का पाठ करने से सुख, सौभाग्य, आय और वंश में वृद्धि होती है और पितृ प्रसन्न होते हैं।

ज्येष्ठ अमावस्या 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 05 जून को रात 07 बजकर 54 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 06 जून को शाम 06 बजकर 07 मिनट पर होगा। ऐसे में 06 जून को ज्येष्ठ अमावस्या को मनाई जाएगी। इस दिन स्नान करने का समय सुबह 04 बजकर 02 मिनट से लेकर 04 बजकर 42 मिनट तक है।

बुधवार को इस सरल विधि से करें भगवान गणेश की पूजा, घर में होगा खुशियों का आगमन

बुधवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण और गणेश जी की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सभी संकटों को दूर करने करने के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन से भगवान गणेश की पूजा करने से घर में सुख समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। आइए जानते हैं गणपति बप्पा की पूजा विधि के बारे में। सनातन धर्म में बुधवार के दिन का बेहद खास महत्व है। क्योंकि इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण और गणेश जी की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सभी संकटों को दूर करने करने के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन से भगवान गणेश की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। अगर आप भी गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो बुधवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद गणेश जी की विधिपूर्वक उपासना करें। आइए जानते हैं गणपति बप्पा की पूजा विधि के बारे में।

भगवान गणेश की पूजा विधि- बुधवार को सुबह जल्दी उठें और भगवान गणेश का ध्यान करें। इसके बाद स्नान कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। अब एक चौकी पर साफ कपड़ा बिछाएं और गणेश जी की प्रतिमा विराजमान करें। अब प्रभु को माला और दूर्वा घास अर्पित करें। इसके बाद देशी घी का दीपक जलाएं और आरती करें। गणेश चालीसा का पाठ और मंत्रों का भी जप करें। अंत में बूंदी का लड्डू या फिर मोदक का भोग लगाएं। गरीब लोगों में अन्न, धन और भोजन का दान करें।

nandgaon times june-05-02.qxd 6/4/2024 11:59 PM Page 4

- क्रिकेट किट
- फुटबाल
- हॉकी किट
- योगा मेट

स्वाती स्पोर्ट्स

खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट...

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो- खो, बेडमिंटन, बास्केट बॉल, थ्रो बॉल, शॉफ्ट बॉल, हाई जम्प, बॉक्सिंग रिंग, टेनिस बॉल, स्पोर्ट्स बॉल, रेकेट बेग, स्पोर्ट्स बॉटल, स्पोर्ट्स बेग, बेडमिंटन नेट, स्कोरल टेबल, बोर्ड गेम्स, टी- टी टेबल,टी-टी बॉल, टेबल टेनिस बेट, टी-टी बेट, टेक शूट, जिम सामग्री, स्पोर्ट्स शूज, स्कूल बेग सहित सभी खेल सामग्री उपलब्ध...

स्टेडियम परिसर, कलेक्टोरेट के सामने राजनांदगांव, मो. 99819-65770, 88393-71971

सनातन परम्परा प्राप्त भोजन, वस्त्र, आवास , शिक्षा, रक्षा, सेवा आदि का विज्ञान विश्व स्तर पर है सर्वोत्कृष्ट - पुरी शंकराचार्य

अरविन्द तिवारी की रिपोर्ट

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। हिन्दूओं के सार्वभौम धर्मगुरु एवं हिन्दू राष्ट्र प्रणेता पूज्यपाद पुरी शंकराचार्य स्वामी श्रीनिश्चलानन्द सरस्वतीजी महाराज सनातन संस्कृति की सर्वोत्कृष्टता की चर्चा करते हुये उद्धृत करते हैं कि जब इस यान्त्रिक युग में भी सनातन वैदिक आर्य हिन्दुओं का सनातन परम्परा प्राप्त कृषि, जल संसाधन, भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, उत्सव - त्योहार, रक्षा, सेवा, न्याय और विवाह आदि का विज्ञान विश्व स्तर पर सर्वोत्कृष्ट है ; तब हमारी संस्कृति के अनुसार स्वतन्त्र भारत में भी शासन तन्त्र के सुलभ न होना तथा सत्तालोलुप, अदूरदर्शी दिशाहीन शासन तन्त्र को सांस्कृतिक और सामाजिक किसी भी संघटन के द्वारा चुनौती प्राप्त ना होना हमारे अस्तित्व और आदर्श के विलोप का मुख्य कारण और भीषण अभिशाप है। अत: सुसंस्कृत, सुशिक्षित, सुरक्षित, सम्पन्न, सेवापरायण और स्वस्थ व्यक्ति तथा समाज की संरचना विश्वस्तर पर राजनीति की परिभाषा उद्घोषित कर उसे क्रियान्वित करने के लिये स्वस्थ व्यूह रचना नितान्त अपेक्षित है। इस यान्त्रिक युग में प्रगति के नाम पर धर्म और मोक्षप्रद ईश्वर को विकास का परिपन्थी माना जाता है। अतएव धर्म और मोक्ष नामक दो पुरुषार्थों का त्याग यान्त्रिक युग का विशेष उपहार है। मद्य, छूत, हिंसा आदि अनर्थ प्रभव आर्थिक परियोजनाओं के फलस्वरूप अर्थ का पर्यवसान अनर्थ में परिलक्षित है। दरिद्रता के समस्त स्रोतों को समृद्धि का स्रोत मानने के कारण आर्थिक विपन्नता सम्भावित तथा परिलक्षित है। अतएव यान्त्रिक युग में अर्थ नामक पुरुषार्थ का विलोप सुनिश्चित है। अश्लील मनोरञ्जन, मादक द्रव्य, कुल - शीलविहीन विवाह, देश - काल का अतिक्रमण, असंस्कृत जीवन और कुलधर्म विहीनतादि हेतुओं से काम पुरुषार्थ का विलोप सम्भावित तथा परिलक्षित है। प्रगति के नाम पर पुरुषार्थ विहीन मानव जीवन की संरचना भीषण अभिशाप और विचित्र विडम्बना है। परमात्मा , पुण्य और पुण्यात्मा को प्रगति के नाम पर परिपन्थी मानना जीवन तथा जगत् को संतप्त करने का भीषण अभियान है। परमात्मा की शक्ति प्रकृति, प्रकृति के परिकर आकाश, वायु, तेज, जल तथा पृथ्वी को विकास के नाम पर विकृत, दूषित तथा कुपित (क्षुब्ध) करना स्वयं के तथा सबके हित पर पानी फेरना है। पृथ्वी के जङ्गम रूप गोवंश को विकास के नाम पर विकृत, दूषित तथा कुपित (क्षुब्ध) और विलुप्त करना पर्यावरण के लिये विघातक, सर्व पोषक यज्ञमय तथा योगमय जीवन का विलोपक है। गङ्गादि नदियों के भुव: आदि ऊर्ध्व लोक उद्गम स्थल हैं, भूमण्डल इनका प्रवाह स्थल है और अतलादि अधोलोक इनके अन्तर्धान स्थल हैं। अतएव गङ्गादि त्रिपथगा हैं। विकास के नाम पर इन्हें विकृत, दूषित, कुपित (क्षुब्ध) और विलुप्त करने का अभियान सर्व विनाशक भीषण अभिशाप है। सनातन वैदिक - आर्य - हिन्दुओं का उदात्त सिद्धान्त प्राय: ग्रन्थों तक सीमित रह गया है। कूटज्ञ मेकाले की चलायी गयी शिक्षा और तदनुकूल जीविका पद्धति ने संयुक्त परिवार को प्राय: विखण्डित कर दिया है। संयुक्त परिवार के विखण्डित होने के कारण सनातन कुलधर्म, जातिधर्म, वर्णधर्म, आश्रमधर्म, कुलदेवी, कुलदेवता, कुलपुरोहित, कुलवधू, कुलवर, कुलपुरुष, कुलाचार, कुलोचित जीविका तथा कुलीनता का द्रुतगति से विलोप हो रहा है।

अहिल्याबाई होलकर जयंती 2 जून को धूमधाम से मनाया गया

मुरमुंदा (नादगांव टाइम्स)। राजनांदगांव जिला परिक्षेत्र ग्राम आतरगांव में पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर जयंती 2 जून को धूमधाम से मनाया गया । जिसमें मुख्य अतिथि भोलाराम साहू (विधायक खुज्जि वि. स.) ललित बकरे (सरपंच) भालचंद साहू (भू. पू. सरपंच) सुदर्शन यादव (पंच) रामा निषाद (पंच) डाकेश्वर साहू (पंच) वरिष्ठ ग्रामीण लाला साहू, केशवराम, अदलीराम, अगेश साहू, हेमंत साहू समाज के सदस्यगन गौरव धनकर (नवयुवक अध्यक्ष) शिवेंद्र धनकर (नवयुवक कोषाध्यक्ष) संतोष धनकर (नवयुवक सचिव) डेरहाराम धनकर, महेंद्र धनकर, कालूराम धनकर, हरकराम धनकर, मंगल धनकर, जगदीश धनकर, राजेंद्र धनकर, कन्हैया धनकर, देवेंद्र धनकर, रूपेश धनकर, चौहान धनकर, दीपचंद धनकर ,सुमित्राबाई,तीरथबाई, भगवतीबाई, भागाबाई किसनीबाई, राजकुमारी, खेदियाबाई, लताबाई, एनुबाई, लीलाबाई, अर्चना, पदमा, धामिनबाई धनकर की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किया गया । झाड़े धनकर समाज के अध्यक्ष गोविंद धनकर के तरफसे समाज के होनहार छात्र - छात्राओं को विधायक महोदय के हाथों जिन्होंने 10 वीं और 12 वीं मे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए छात्र - छात्रा कु.किरण धनकर कु. काजल कु. भावना समीर नितिन धनकर है उन्हें प्रतिभा सम्मान से पुरस्कृत किया गया साथ ही समाज के बुजुर्ग महिला किसनीबाई,भागाबाई, कौशल्याबाई, तीरथबाई, सुनिताबाई को सियानी सम्मान से शाड़ी व श्री फल दे कर सम्मानित किया गया। विधायक महोदय से समाज के सदस्यों द्वारा कुछ मांग रखा गया सामाजिक कार्य के लिए समाज का भवन नही है भवन निर्माण के लिए विशेष सहयोग राशि का मांग किया गया साथ ही ग्रामीणों द्वारा वार्ड क्रमांक 8 का सड़क खराब के कारण बरसात के दिनों मे ग्रामीणों को कई दिक्कतों सामना पड़ता है इसका नवनिर्माण का ग्रामीणों के द्वारा मांग किया है विधायक महोदय सभी की समस्या को सुनते हुए बताया की अभी आचार संहिता के हटने के बाद जीतने भी मांग किये है उसे वह आगामी दिनों मे पूर्ण करूँगा ऐसा विश्वास दिलाया है ।

सेवा निवृत्ति पर चिकित्साकर्मी को दी गई विदाई

बांधा बाजार (नादगांव टाइम्स)। समीपस्थ ग्राम गैंदाटोला के शासकीय पशु चिकित्सालय केंद्र में कार्यरत पट्टी बंधक श्री बरातू राम मलगामे की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ अशोक जैन, डॉक्टर नेहा, मानसी , उपासना, खिलेश्वरी एवं अन्य कर्मियों ने उपहार सामग्री भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जैन ने कहा कि हमारे सहयोगी श्री बरातु राम मलगामे पशुओं के प्रति काफी सजग रहता था उनके कार्य को भुलाया नहीं जा सकता। सेवा भावना इनमें काफी देखने को मिला। इसके कार्य से अन्य कर्मियों को सीखने का अवसर प्रदान हुआ। लेकिन सरकारी कार्य में नियमानुसार सभी को एक न एक दिन सेवानिवृत्ति होना ही है। सभी ने श्री बरातूराम मलगामे को दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में कोसारे मैडम, मेश्राम जी, रावटे जी, ठाकुर जी, मंडलोई जी, तिलेश्वर, पंचलाल, गणेश, ओमप्रकाश, लेख राम, मनीष ऋषि, देवांगन जी सहित पशुधन विकास विभाग के समस्त स्टाफ मौजूद थे। यह

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया

मोहला (नादगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 78 मोहला मानपुर के अंतर्गत निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों, अभ्यार्थियों, निर्वाचन में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, मतदान एवं मतगणना दिवस पर नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, जिले के नागरिक गणों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों, जनसम्पर्क विभाग, महिला बाल विकास विभाग (डाक मत पत्र), आयकर विभाग, जिला एवं पुलिस प्रशासन, सुरक्षा में लगे जवानों, जिला बल, केंद्रीय पुलिस बल और आई टी बी पी के जवानों, परिवहन में लगे लोगों, संचार में सहयोग के लिए बी एस एन एल दूरसंचार कंपनी, समेत सभी निर्वाचन गतिविधियों में भाग लेने वाले समस्त विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने कहा कि सभी के सहयोग से जिले में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य संपन्न हो सका है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान सभी ने जिले की गरिमा को बनाये रखने में अपना योगदान दिया है। उन्होंने सभी के प्रति निर्वाचन कार्य को संपन्न करने के लिए दियें गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

डोंगरगांव शराब दुकान में मैनेजर और गार्ड की पिटाई, गार्ड के हाथ हुआ फेक्चर

डोंगरगांव (नादगांव टाइम्स)। डोंगरगांव शासकीय मदिरा दुकान में रविवार की सुबह जमकर मारपीट हुई है, जिसमे शराब दुकान के गार्ड झंकार पटेल को कुछ अज्ञात लोगों ने जमकर मारपीट कर दी है जिससे गार्ड के शरीर में चोट आई है इनके अलावा गार्ड का उसका एक हांथ फेक्चर भी हो गया है द्य डोंगरगांव शराब दुकान में मारपीट का यह पहला मामला नहीं है इससे पहले भी यहां काम करने वाले कर्मचारियों से कई बार मारपीट हुई है द्य इसको लेकर किसी भी आबकारी विभाग के अधिकारी और कर्मचारी के द्वारा पुलिस को कोई सूचना नहीं दी है ना ही आबकारी विभाग के द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं किया है।

इसके पहले भी मैनेजर के साथ हो चुकी है मारपीट की घटना

डोंगरगांव शराब दुकान में कुछ दिन पहले ही देशी शराब दुकान के मैनेजर कैलाश देवांगन को कुछ लोगों ने जमकर पिटाई की जिससे उसे भी काफी चोट आई थी । डोंगरगांव शराब दुकान में एक के बाद एक मारपीट की घटना सामने आ रही है द्य जिससे वहां के कर्मचारियों में दहशत का माहौल बना हुआ है द्य अब यहां पर कार्य करने वाले कर्मचारियों का डर भय और खतरा बढ़ गया है क्यों कि यहां पर एक भी

आबकारी विभाग के शासकीय कर्मचारी का ड्यूटी नही होने से यहां पर माहौल खराब हो रहा है अब इस शासकीय शराब दुकान में कौन कब किस समय आकर किस व्यक्ति के ऊपर हमला कर दे ये किसी को पता नहीं चलेगा क्योंकि यहां पर कैमरा भी बंद होने की सूचना मिली है अगर शराब दुकान एरिया में कैमरा लगा होगा तो कोई भी घटना क्रम की जानकारी समय पर मिल जाएगा परंतु यहां पर अवैध शराब बेचने की शिकायत लगातार मिल रही है इतना सब होने के बाद आबकारी विभाग मौन होकर चुप बैठा है क्योंकि इस शासकीय शराब दुकानों में संविदा कर्मी और डेली कार्य करने वाले कर्मचारियों की संख्या एक से बढ़कर एक है शराब दुकान डोंगरगांव शहर से लगभग 2 किलो मीटर दूरी पर सुनशान जगह पर स्थित है

शासकीय शराब दुकान में इतनी बड़ी घटना होने के बाद अब तक आबकारी विभाग

अधिकारी और कर्मचारी उदासीन हाथ पर हाथ धरे बैठा है

आबकारी अधिकारी ए सी यदुनंदन राठौर से बात करने पर बताया कि उन्हें इस मामले में अब तक कोई भी घटना क्रम की जानकारी नहीं मिल पाई है

आबकारी अधिकारी के कुसुमलता झोले ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है मैनेजर और गार्ड को पुलिस थाना में एफ्आईआर दर्ज करने के लिए बोल दिया गया है।

समाज को शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय के साथ उद्योग में आगे आने की जरूरत : भोला राम साहू

खुज्जी विधायक भोला राम साहू ने प्रतिभावान छात्र छात्राओ को किया सम्मानित

डोगरगाँव (नादगांव टाइम्स)। छत्तीसगढ़ झाडे गड़ेरिया समाज द्वारा ग्राम आतरगाँव मे अहिल्या बाई जयंती के पावन उपलक्ष्य मे कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि खुज्जी विधायक भोलाराम साहू थे। आयोजक जनो के अतिथियो का स्वागत सम्मान किया। खुज्जी विधायक भोला राम साहू ने दसवीं व बारहवीं मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावन छात्र छात्राओ को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही बुजुर्ग एवं महिलाओ को भी समाज मे उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरुस्कृत किया गया। विधायक भोलाराम साहू ने कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए कहा की समाज को शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय के साथ उद्योग में आगे आने की जरूरत है।इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुमरदा अध्यक्ष गिरधारी लाल साहू, भाल साहू, समाज प्रमुख व ग्राम प्रमुख क्षेत्रवासी व ग्रामीण जन बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

डोंगरगढ़ पुलिस एक और गुम युवती को खोज कर मिलाया परिजनों से

डोंगरगढ़ (नादगांव टाइम्स)। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोहित गर्ग, अति0पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शुक्ला एवं एसडीआपी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशिष कुंजाम के दिशा-निर्देश पर थाना डोंगरगढ़ में लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान प्रकरण के निकाल हेतु थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक सी0आर0 चन्द्रा द्वारा अभियान चलाकर लगातार गुम इंसानों का पता तलाश कर दस्तयाब किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत गुम इंसान क्र0- 67/2024 के युवती उम्र- 19 वर्ष जो दिनांक- 02.06.2024 को घर से बिना किसी को बताये कहीं चली गई थी जिसको आज दिनांक- 04.062024 को सकुशल बरामद कर दस्तयाब किया गया है। गुमशुदा लड़की से पुछताछ करने पर अपने साथ किसी प्रकार का अपराध घटित होना नहीं बताने पर गुमशुदा को उनके परिजनों को सुपूर्दनामे में दिया गया। जिससे परिजन खुशी जाहिर करते हुये डोंगरगढ़ पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किये है।

गायत्री विद्यापीठ में प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर का किया स्वागत, अभिनंदन

राजनांदगांव (नादगांव टाइम्स)। शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की प्रतिष्ठित शाला गायत्री विद्यापीठ सीबीएसई बोर्ड में नव-नियुक्त प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर का स्वागत, अभिनंदन किया गया। श्रीमती नायर ने इस अवसर पर कहा कि वे शाला की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए हमेशा तत्पर रहेंगी, विद्यालय का नाम हमेशा उत्कृष्टता की श्रेणी में रखने हम सब मिलकर सम्मिलित प्रयास करेंगे। इसके साथ ही छात्रों के बेहतर भविष्य निर्माण एवं उनकी परेशानियों को दूर करने सतत् प्रयासरत रहेंगी। ज्ञात हो कि श्रीमती नायर जिले की ख्याति लब्ध शिक्षाविद के रूप में जानी जाती रही है जो अपने कुशल नेतृत्व क्षमता एवं शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बना चुकी है। उन्होंने अपने सरल व्यवहार से सभी को प्रभावित किया है। इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, श्री राजेश जैन, सचिव श्री गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, संरक्षक श्री नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी श्री हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, एकेडमिक प्रभारी श्री अमित उत्तलवार, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रशासक अनिल वाजपेयी ने श्रीमती शैलजा नायर को शुभकामनाएं देते हुए उनेक उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

तेज रफ्तार का कहर जारी मोहला पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत

डोंगरगांव (नादगांव टाइम्स)। क्षेत्र में हो रहे लगातार हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहा है द्य रविवार की रात डोंगरगांव - चौकी मोहला मानपुर मुख्य मार्ग पर ग्राम खुर्सीटिकुल के पास लगभग 8 बजे मोहला पुलिस लाइन मे पदस्थ आरक्षक महेंद्र चेरामे की सड़क दुर्घटना मे मौत हो गयी। मिली जानकारी अनुसार डोंगरगांव से कुछ दुरी पर चौकी मोहला मानपुर मुख्य मार्ग पर ग्राम खुर्सीटिकुल के पास मोहला लाइन मे पदस्थ आरक्षक महेंद्र चेरामे पिता दया राम उम्र 36 वर्ष मोहला लाइन से अपनी ड्यूटी ख़त्म कर अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक छत्र 08 ˙ 6935 से राजनांदगाव स्थित अपने घर जा रहा था तभी अचानक ग्राम खुर्सीटिकुल के पास सड़क हादसे का शिकार हो गया, हादसे मे घायल सड़क किनारे पड़े युवक पर ग्रामीणों की नज़र पड़ी जिसके सर से बहुत ज्यादा ही खून बह गया था तथा घायल युवक बेहोश था जिसके बाद ग्रामीणों ने ही पुलिस और 112 को काल किया तब घायल को प्राथमिक स्वास्थ केंद्र डोंगरगांव लाया गया जहां प्राथमिक इलाज़ मे पता चला की हादसे मे युवक के सर, एवं पैर मे गंभीर चोटे आयी है प्राथमिक इलाज़ के बाद उसे राजनांदगाव रेफेर कर दिया गया मगर राजनांदगाव ले जाते हुए रास्ते मे ही युवक की मृत्यु हो गयी। हादसा कैसे हुए ये अभी तक पता नहीं चल सका है। हादसे मे मृत आरक्षक की 1 पुत्री 7 वर्ष एवं 1 पुत्र 9 वर्ष है

हेलमेट नहीं पहना था मृतक- पुलिस के अनुसार, दुर्घटना कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक ने हेलमेट नहीं पहना था जिस कारण सर मे गंभीर चोट आयी। शव को पीएम के लिए भेजने के साथ मृतक के स्वजन को दुर्घटना के विषय में जानकारी दे दी गई है।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक अशोक कुमार पाण्डे द्वारा आसमा पब्लिसर्श इंडिया (प्रा.) लिमिटेड रायपुर से मुद्रित व गंजचौक राजनांदगांव से प्रकाशित, सम्पादक- अशोक कुमार पाण्डे, प्रबंध सम्पादक- श्रीमती कल्पना पाण्डे । मो: 94252-43311 Email: nandgaontimes@gmail.com